

भारत सरकार  
Government of India  
केन्द्रीय जल आयोग  
Central Water Commission  
बाढ़ पूर्वानुमान प्रबोधन निदेशालय  
Flood Forecast Monitoring Directorate

Tele : 011-29583829, 29583545

e-mail : fmdte@nic.in, ffwcwc@gmail.com

भू तल, विंग 7, पश्चिमी खण्ड-2,  
रामकृष्ण पुरम, नई दिल्ली-110066

विषय : दिनांक 30/09/2024 की समाचार की कतरन ( News Clippings ) प्रस्तुत करने के सम्बन्ध में ।

मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचारों की कतरन ( News Clippings ) अवलोकन हेतु प्रस्तुत हैं :

संदर्भ : उपरोक्तानुसार

उपनिदेशक

30/09/2024

30/09/2024  
(सहायक निदेशक) EAD(HM)

निदेशक (बा.प.प्र.)



हिन्दुस्तान :- 30/09/2024

# बिहार में बाढ़ ने मचाई तबाही, पांच जगहों पर तटबंध टूटे



## मौसम की मार

पटना/मुजफ्फरपुर/भागलपुर, हि.टी। नेपाल में पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के बाद कोसी और गंडक नदी में आए भीषण उफान का कहर बिहार के सीमावर्ती जिलों में दिखने लगा है। शनिवार रात से रविवार शाम तक उत्तर बिहार में पांच जगहों पर तटबंध टूट जाने से बड़े इलाके में बाढ़ का पानी फैल गया।

पानी के दबाव से पश्चिम चंपारण में बगहा के नजदीक गंडक का चंपारण तटबंध टूटा जबकि बागमती तटबंध सीतामढ़ी के बेलसंड और शिवहर के तरियानी में क्षतिग्रस्त हो गया। रुन्नीसैदपुर में बागमती तटबंध दो जगहों पर क्षतिग्रस्त हुआ है। क्षतिग्रस्त तटबंध की चौड़ाई बढ़ती ही जा रही है। उधर, कोसी का पानी तटबंध के भीतर बसे गांवों में तेजी से फैल रहा है और सुपौल व सहरसा की करीब साढ़े पांच लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है।



## बाढ़ को लेकर हर स्तर पर काम हो रहा : नीतीश

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा है कि बाढ़ को लेकर हर स्तर पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। सभी तरह के बचाव कार्य और राहत के इंतजाम किए जा रहे हैं। वहीं केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने कहा है कि बिहार में बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्र और राज्य सरकार दोनों गंभीर हैं।

## बंगाल में हालात खराब केंद्र नहीं कर रहा मदद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को उत्तरी जिलों में बाढ़ की स्थिति को खतरनाक बताया और दावा किया कि राज्य को इस प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए केंद्र से सहायता नहीं मिल रही है। बंगाल के उत्तरी हिस्से में बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण करने जा रही बनर्जी ने यह बात कही।

## उत्तराखंड : चार जिलों में हल्की बारिश के आसार

देहरादून, वरिष्ठ संवाददाता। उत्तराखंड के चार जिलों में हल्की बारिश के आसार जताए गए हैं। अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है। पांच अक्टूबर तक इस तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई गई है। मौसम निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि पिथौरागढ़, बागेश्वर, नैनीताल, देहरादून में बारिश की संभावना है।

## यूपी : बारिश से नदियां उफनाई, चार की मौत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून की भले ही धमाकेदार इंट्री नहीं हुई पर विदाई के समय पूरे प्रदेश में झमाझम वर्षा हो रही है। रविवार को सुलतानपुर में बारिश से दीवार गिरने और ऊंचाहार, गाजीपुर, सोनभद्र में बिजली गिरने एक-एक व्यक्ति की मौत हो गई है।

सीतामढ़ी के बेलसंड प्रखंड के मधकौल में रविवार को बागमती नदी का बांध ध्वस्त।

## नेपाल : बाढ़-भूस्खलन में मृतकों की संख्या 170 हुई

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार को 170 हो गई। सशस्त्र पुलिस बल के सूत्रों के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 55 लोग लापता हैं और 101 लोग घायल हुए हैं। काठमांडू घाटी में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।



Hindustan Times  
30/09/2024

## Bihar on flood alert; Nepal toll hits 170



The swollen waters of the river Ganga in Patna, Bihar on Sunday as heavy rain upstream forced authorities to release water from dams. The floods were fuelled largely by heavy showers in Nepal, where rain-related events have killed 170 people.

Related story on page 11 SANTOSH KUMAR/HT PHOTO



# बारिश से उफनी नदियां, बिहार में बाढ़ का अलर्ट

## वीरपुर और वाल्मीकिनगर बैराज से पानी छोड़े जाने से कई इलाके डूबे, नेपाल में भी तबाही

■ पीटीआई/भाषा, पटना

बिहार और नेपाल में पिछले दो-तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के बाद गंडक, कोसी, बागमती, बूढ़ी गंडक, कमला बलान और महानंदा, बागमती और गंगा नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। वहीं, नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के कारण बिहार के सीमावर्ती जिलों में कई स्थानों पर नदियां खतरे के निशान को छू रही हैं या उससे ऊपर बह रही हैं। वहीं, वीरपुर और वाल्मीकिनगर बैराज से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया। इसके बाद बिहार सरकार ने प्रदेश के उत्तरी, दक्षिणी और मध्य भागों में बाढ़ को लेकर चेतावनी जारी की है।

कोसी नदी पर बने वीरपुर बैराज से रविवार सुबह पांच बजे तक कुल 6.61 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जो 56 वर्षों में सबसे अधिक



पटना में भारी बारिश के बाद गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि के बाद बाढ़ प्रभावित लोग नाव में सुरक्षित स्थान पर चले गए।

है। पिछली बार इस बैराज से सबसे अधिक पानी 1968 में 7.88 लाख क्यूसेक छोड़ा गया था। इससे 13 जिलों के 16.28 लाख से अधिक लोगों की स्थिति और खराब हो सकती है, जो पहले से ही भारी बारिश के कारण जलजमाव से प्रभावित है। गंडक नदी पर बने वाल्मीकिनगर बैराज से शनिवार रात 10 बजे तक 5.62 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया। 2003 में छोड़े गए 6.39 लाख क्यूसेक के बाद यह इस बैराज

से छोड़ा गया सबसे अधिक पानी है। सीतामढ़ी जिले के बेलसंड के अंतर्गत मधकौल गांव में बागमती नदी का तटबंध रविवार को टूट गया। जिले में बाढ़ से किसी के हताहत की खबर नहीं है। बिहार के कई जिलों के लिए अलर्ट जारी कर दिया गया है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भारी बारिश की भविष्यवाणी की है और राज्य के कुछ हिस्सों में अचानक बाढ़ के खतरे की चेतावनी दी है। जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने रविवार को बताया कि जल संसाधन विभाग की टीम तटबंधों की चौबीसों घंटे निगरानी कर रही है। उधर, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने राज्य के उत्तरी जिलों में बाढ़ की स्थिति को 'खतरनाक' बताया और दावा किया कि राज्य को केंद्र सरकार से सहायता नहीं मिल रही है।

### नेपाल में अब तक 148 लोगों की जान गई



नेपाल में बारिश के कारण बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर रविवार को 148 हो गई। पूर्वी और मध्य नेपाल का बड़ा हिस्सा शुक्रवार से जलमग्न है। सशस्त्र पुलिस बल के सूत्रों के अनुसार, बाढ़ और भूस्खलन के कारण 64 लोग लापता हैं और 61 लोग घायल हुए हैं।

काठमांडू घाटी में सबसे ज्यादा लोगों की मौत हुई है। कम से कम 322 मकान और 16 पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। सुरक्षाकर्मियों ने करीब 3,626 लोगों को बचाया।



### वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड का एक उपक्रम)

कोल इस्टेट, सिविल लाईन्स, नागपुर-440001, महाराष्ट्र, भारत. वेबसाइट [www.westerncoal.in](http://www.westerncoal.in)

#### सूचना

कोल इंडिया लिमिटेड एवं उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सामग्री खरीदी, कार्यों एवं सेवाएँ हेतु जारी सभी निविदाएँ कोल इंडिया लिमिटेड की वेबसाइट ([www.coalindia.in](http://www.coalindia.in)), संबंधित सहायक कंपनी की वेबसाइट (वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, [www.westerncoal.in](http://www.westerncoal.in)), सीआईएल की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल (<https://coalindiadenders.nic.in>) एवं केंद्रीय सार्वजनिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल (<https://eprocure.gov.in>) पर उपलब्ध हैं। निविदा के लिए बिड सिर्फ <https://coalindiadenders.nic.in> के जरिए जमा की जा सकती है। शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि कोई हो, केवल <https://coalindiadenders.nic.in> पर प्रकाशित किया जायेगा। इसके अलावा, जीईएम (GeM) पोर्टल (<https://gem.gov.in>) के माध्यम से भी खरीदी की जाती है।



Hindustan Times → 30/9/2024

## Bihar floods: 13 rivers flow above danger level; Nitish takes stock

Subhash Pathak

letters@hindustantimes.com

**PATNA:** Fuelled by furious rain in Nepal, every major river in Bihar spilled over its banks on Sunday, with the consequent flooding wreaking havoc across the state, prompting the administration to scramble to contain the damage.

Officials said 13 rivers in the state tipped past the danger mark on Sunday, as waters from the Gosi, Kandak and Bagmati rivers flooded villages, towns and cities in their vicinity, prompting officials to release record amounts of water.

More than two million people across 43 gram panchayats and 15 districts have been hit by the floods, said officials, adding that five people have died so far. Several houses and huts have also been damaged, they added.

Officials released 661,000 cusecs of water from the Birpur barrage on Kosi River, the highest discharge in 56 years. "This level is



**Floodwater surrounds the Ashokan pillar at Lauriya in West Champaran district.**

unprecedented. The last recorded maximum was 788,000 cusecs in 1968," the water resources department said in a statement.

Similarly, 562,000 cusecs of water was released from the Valmikinagar barrage on Gandak river, the highest since 2003.

Meanwhile, authorities also reported breaches in the embankments of the Bagmati and Gandak rivers due to the excessive water pressure.

A breach in the Gandak in West Champaran district led to floodwaters gushing into the neighbouring Valmiki Tiger Reserve, said officials.

Officials also warned that the water level of the Ganga would surge further over the next 24 hours. "It is certain to reach above the danger mark at all places from Patna to Bhagalpur," said an engineer with the water resources department (WRD).

Chief minister Nitish Kumar reviewed the flood situation on Sunday and said WRD engineers were trying their best to contain the flood devastation. Rajya Sabha member and former WRD minister Sanjay Kumar Jha said the government was monitoring the situation very closely.

Water resources minister Vijay Kumar Choudhary said that teams are monitoring embankments constantly. "There is nothing to panic about; our teams are always alert, and we are fully prepared for any eventuality," he told PTI.

New Delhi



THE TRIBUNE → 30/09/2024



Rescuers remove bodies from the flood-hit Tribhuwan Highway in Dhading, Nepal. REUTERS

## Nepal flood toll mounts to 148; 101 injured, over 50 missing

KATHMANDU, SEPTEMBER 29

The death toll from rain-triggered floodings and landslides across Nepal climbed to 148 on Sunday, according to the police.

Large swathes of eastern and central Nepal have been inundated since Friday, with flash floods reported in parts of the country. According to the police, so far, 43 people have been killed due to disaster-related incidents in Kath-

mandu Valley.

According to Armed Police Force sources, 55 people are missing in floods, landslides and inundation, while 101 people have been injured.

National highways have been blocked since Saturday, with hundreds of people stranded on various highways due to landslides.

At least 322 houses and 16 bridges have been damaged.

Over 20,000 security per-

sonnel have been mobilised to rescue people, the sources said, adding that nearly 3,626 people have been moved to safety.

The sources added that rescue operations were still underway. Home ministry spokesperson Rishiram Tiwari said all the apparatuses were being mobilised to open the road sections of highways damaged by landslides. — PTI



THE HINDU → 30/09/2024

# 170 killed as floods and landslides batter Nepal

Agence France-Presse  
KATHMANDU

Residents of Nepal's flood-hit capital returned to their mud-caked homes on Sunday to survey the wreckage of devastating floods that have killed at least 170 people across the Himalayan republic.

Deadly rain-related floods and landslides are common across South Asia during the monsoon season from June to September, but experts say climate change is increasing their frequency and severity.

Entire neighbourhoods in Kathmandu were inundated over the weekend with flash floods reported in rivers coursing through the capital and extensive damage to highways connecting the city with the rest of Nepal.



**Desperate search:** Rescue personnel work to retrieve the bodies of victims from a landslide in Dhading, Nepal, on Sunday. REUTERS

Nepal's National Disaster Risk Reduction and Management Authority said 170 people had been killed across the country with another 42 still missing.

Home Ministry spokesperson Rishi Ram Tiwari said that bulldozers were being used to clear several highways that had been blocked by debris, cutting

Kathmandu off from the rest of the country.

The valley in which the capital sits recorded 240 millimetres of rain in the 24 hours to Saturday morning, the country's weather bureau told the *Kathmandu Post* newspaper.

It was the highest rainfall recorded in Kathmandu since at least 1970, the report said.



Hindustan Times → 30/09/2024



Rescue personnel carry the body of the victim retrieved from the debris of a passenger bus after it was buried in a landslide triggered by heavy rainfall in Dhading, Nepal, on Saturday. REUTERS

# 170 killed in floods, landslides in Nepal

Agence France-Presse

letters@hindustantimes.com

**KATHMANDU:** Residents of Nepal's flood-hit capital returned to their mud-caked homes on Sunday to survey the wreckage of devastating floods that have killed at least 170 people across the Himalayan republic. Deadly rain-related floods and landslides are common across South Asia during the monsoon season from June to September, but experts say climate change is increasing their frequency and severity.

Entire neighbourhoods in Kathmandu were inundated over the weekend with flash floods reported in rivers coursing through the capital and extensive damage to highways connecting the city with the rest of Nepal.

Kumar Tamang, who lives in a slum area by a riverbank, told AFP he and his family had to flee after midnight on Saturday as waters rushed into his shack.

"This morning we returned and everything looks different," the 40-year-old said.

"We couldn't even open the doors to our house, it was

jammed with mud," he added. "Yesterday we were afraid that the water would kill us, but today we have no water to clean." Nepal's Home Ministry said 170 people had been killed across the country with another 42 still missing.

Ministry spokesman Rishi Ram Tiwari told AFP that bulldozers were being used to clear several highways that had been blocked by debris, cutting Kathmandu off from the rest of the country. "More than 3,000 people have been rescued," he added.

At least 35 of those killed were aboard three vehicles and were buried alive when earth from a landslide careened into a highway south of Kathmandu, Nepal Police spokesman Dan Bahadur Karki told AFP.

The Department of Hydrology and Meteorology said preliminary data from stations in 14 districts measured record-breaking rain in the 24 hours to Saturday morning.

A station at the Kathmandu airport recorded about 240 millimetres of rain, highest since 2002, it said.

The Bagmati river and its

numerous tributaries which cut through Kathmandu broke their banks, inundating nearby homes and vehicles after midnight on Saturday.

Residents struggled through chest-deep water to get to higher ground.

Bishnu Maya Shrestha, who lived in another inundated area of Kathmandu, said they had to cut the roof of their homes to escape.

"We jumped from one roof to another to safety and finally they came with boats to rescue us," Shrestha told AFP.

More than 3,000 security personnel were deployed to assist rescue efforts with helicopters and motorboats.

Rescue teams were using rafts to pull survivors to safety.

Humanitarian organisations are also helping with search and rescue operations, as well as providing relief.

Jagan Chapagain, head of the International Federation of Red Cross and Red Crescent Societies, said in a post on social platform X that staff and volunteers "are distributing non-food items, providing hygiene kits, and setting up evacuation centres".